## **पद ३२९** (राग: झिंजोटी – ताल: टप्पा)

तामे लेवे गिरकी ।।१।।

जाको लगी हुई सोही जानेगा। दूसरा क्या पहचानेगा।।ध्रु.।। नौ

दरवाजों बीच दसवेमें है फिरकी। मानिक कहे कोई सुगर होवे।